

मेयर मैडम ने 125 साल पुराने शिव मंदिर को खुलवाया



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

कानपुर शहर की मेयर साहेबा प्रमिला पांडे इस वक्त एक्शन मोड में नजर आ रही है। सोमवार को मुस्लिम बाहुल्य कर्नलगंज की सकरी गली में लगभग 125 वर्ष पुराने शिव मंदिर को खुलवाने के लिए पहुंची। मंदिर के गेट पर ताला लगा था जिसे ईद से तोड़ा गया। लोग अंदर पहुंचते तो देखा कि मूर्तियां टूटी हुई पड़ी थी। शिवलिंग गायब हो चुका है। मंदिर का ताला खोलने के बाद आसपास के तमाम लोग दर्शन के लिए पहुंचे। आपकों बताते चलें इससे पहले शनिवार को पुलिस फोर्स की मौजूदगी में गायपौर ने बेकनगंज में बंद पड़े पांच मंदिरों को कब्जा मुक्त कराया था। उन्होंने कब्जा करने वालों



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

32 वर्ष पहले मंदिर में हुई थी तोड़ फोड़ तब से बंद पड़ा मंदिर बीते दिन सोमवार को मेयर प्रमिला पांडे फोर्स के साथ करनेलगज शिशु मंदिर पहुंची। यहां उन्होंने ताला तुड़वाकर शिव मंदिर को खुलवाया। अंदर जाकर हालत देखी तो हेरान रह गई। मंदिर के अंदर मौजूद सभी मूर्तियां खंडित अवस्था में थी। यहां लक्ष्मी गणेश विष्णु जी की मूर्ति के सर गायक थे। नंदी बाबा की प्रतिमा गायक थी। इसके अलावा अन्य मूर्तियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया था। लोगों ने बताया कि करीब 32 वर्ष के बाद इस मंदिर को दोबारा खोला गया है। 1992 में अयोध्या में बाबरी विध्वंस के बाद सांप्रदायिक दंगे हुए तभी यह मंदिर बंद कर दिया गया था।

सभी मंदिरों का जीर्णोद्धार नगर निगम कराएगा

मेयर प्रमिला पांडे ने बताया कि मंदिर के अंदर शिवलिंग के डिजाइन जमीन पर मिली है लेकिन शिवलिंग पूरी तरह नदारत था। अब इस मंदिर को खोलकर विधिवत पूजा अर्चन कराया जाएगा। नगर निगम से इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

मंदिर खुलने के बाद क्षेत्रीय लोगों व महिलाओं ने माथा टेका

कर्नलगंज में बंद पड़े मंदिर के खुलने के बाद क्षेत्रीय लोगों एवं महिलाओं का दर्शन करने के लिए ताता लग गया। कर्नलगंज में शिव मंदिर जहां पर मौजूद है वहां पुरी तरह मुस्लिम आबादी है। मंदिर खुलने से हिंदू लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मंदिर खुलते ही बड़ी संख्या में हिंदु परिवार के लोग मंदिर के दर्शन करने के लिए पहुंचे। महिलाओं ने माथा टेका कहा कि अब रोज मंदिर में पूजा करने आएंगे।

सवाल यह कि अब तक क्यों नहीं खुला मंदिर ?

समझने वाली बात यह है कि बीते 32 वर्षों से भगवान भोलेनाथ का यह स्थान बंद पड़ा हुआ था। लेकिन इससे पहले ना तो जिला प्रशासन के लोग इस मंदिर को खुलवाने पहुंचे और ना ही जिले का कोई भी अधिकारी इस मंदिर झांकने तक पहुंचा था। मेयर साहेबा की इस पहल से कानपुर वासियों में खुशी की लहर है।

से कहा था कि कब्जा खाली कर दो वरना मत कहना की अम्मा ने नहीं बताया था।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

बुदेलखंड क्षेत्र भाजपा कार्यालय में आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने की। बैठक में भाजपा के सभी पदाधिकारी, मॉनिटरिंग टीम के सदस्य, और क्षेत्रीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रकाश पाल ने बताया कि 25 दिसंबर को भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस वर्ष यह आयोजन विशेष होगा, क्योंकि इसे अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

दिल्ली कार्यक्रम

25 दिसंबर को दिल्ली में अटल जी के समाधि स्थल पर प्रातः 8:30 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और केंद्रीय मंत्रीमंडल के अन्य सदस्य श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देशभर में ब्रूथ स्तर तक किया जाएगा।

ब्रूथ स्तर पर आयोजन

सभी ब्रूथों पर अटल बिहारी वाजपेयी जी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर पुष्पांजलि दी जाएगी।

ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या इंटर कॉलेज के छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज जवाहर नगर के छात्र-छात्राओं ने सिख वेलफेयर सोसाइटी द्वारा श्री गुरु गोविंद सिंह के चार साहबजदों की शहादत की स्मृति में जीटी रोड से लेकर बालाजी चौगहे तक मानव श्रंखला का निर्माण किया। इस अवसर पर नर सेवा नारायण सेवा न्यास के अध्यक्ष मा.अवध बिहारी मिश्रा ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों ने धर्म-संस्कृति एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने पुत्रों का बलिदान दिया। गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों को नमन करते हुए यह आयोजन शहर के विभिन्न 300 से अधिक स्थानों पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सन् 2011 में सिख वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संकल्प लिया गया था कि इस दिवस को %वीर बाल दिवस% के रूप में मनाया जाए। उनके इस संकल्प को पूरे प्रदेश और संपूर्ण देश में सम्मान मिला। इस प्रकार से शहादत वाले दिन 26 दिसंबर को केंद्र सरकार द्वारा %वीर बाल दिवस% के रूप में मनाये जाने की घोषणा की गई। पूरे विश्व में इस हफ्ते चार साहबजदों के बलिदान को

समर्पित अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। अभी थोड़े दिन पहले ही उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी उत्तर प्रदेश के वाइस चेयरमैन गुरविंदर सिंह छबड़ा ने मुख्यमंत्री से भेंट की तथा इन चार साहबजदों के बलिदान को पाट्यक्रम में सम्मिलित किए जाने का आग्रह किया ताकि छात्र-छात्राएं उनके बलिदान से प्रेरणा ले सकें। इसके साथ ही अपने गौरवपूर्ण इतिहास से परिचित हो सकें। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने आश्वासन भी दिया है। आज विश्व में जिस प्रकार का वातावरण बन गया है, उसमें इस प्रकार के कार्यक्रम, जो स्वाभिमान को जगा सकें, आयोजित किए जाने आवश्यक हैं। जिससे संपूर्ण विश्व में सुख एवं शांति की स्थापना हो सके। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राममिलन सिंह, डॉ. गिरिश कुमार मिश्र, सिख वेलफेयर सोसाइटी की ओर से गुरविंदर सिंह छबड़ा वीक्री, डॉ. मनप्रीत सिंह, चरनजीत सिंह छबड़ा, अजय बाजपेई, के.सी. लाला, जगमोहन सिंह पहिरार, ओम नारायण त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी, डॉ. हेमंत मोहन, संजय सिंह शिक्षकगण व अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य उपस्थित रहे।

सर्दी में शराब-सिगरेट के ओवरडोज से दिमाग खो रहा होश

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

शराब और सिगरेट का ब्रेन अटैक से सीधा संबंध है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के न्यूरो साइंसेस विभाग में आए ब्रेन अटैक के 250 रोगियों के ब्योरे का अध्ययन किया गया तो पता चला कि इनमें 117 रोगी ऐसे थे जो शराब या सिगरेट पीते थे। 41 दोनों का सेवन करते थे। इन रोगियों में कई ऐसे थे जिनको डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी। न्यूरो साइंसेस विभाग में दो साल में ठंड के दौरान आए 30 से 55 साल आयु वर्ग के रोगियों की लाइफ स्टाइल और खानपान के ब्योरे का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में पता चला कि ठंड दूर करने के लिए लोग शराब दोगुना और सिगरेट तीन गुना पीने लगते हैं। 250 में 52 रोगी ऐसे थे जो शराब पीते थे और 65 रोगी सिगरेट का सेवन करते थे। 98 रोगियों को डायबिटीज, 125 को ब्लड प्रेशर की समस्या थी। 72 को दोनों दिक्कत थीं। न्यूरो साइंसेस विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष सिंह ने बताया कि रोगियों के अध्ययन में ब्रेन अटैक के चार कारण मुख्य निकले।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी का किया विरोध

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर द्वारा गृहमंत्री अमित शाह जी द्वारा भारत नर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी पर की गई आपत्तिजनक एवं अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर बल रहे आंदोलन की कड़ी को आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर पूरे देश में राष्ट्रव्यापी हो रहे बाबा साहब अंबेडकर सम्मान मार्च के अंतर्गत शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर कल दिनांक 24 दिसंबर 2024 को सुदर्शन नगर, चुन्रीगंज (घंटे वाले मंदिर के सामने से) डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ होगा। जिसमें सामाजिक समस्याओं और न्याय की लड़ाई लड़ने वाले तमाम संगठन के लोगों को आमंत्रित किया गया है और जिसके अंतर्गत आज शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर ने शहर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी, प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक संजीव

आईआईटी कानपुर के 1109 छात्रों को मिला प्लेसमेंट



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

आईआईटी कानपुर के 2024-25 बच के लिए कंपेंस प्लेसमेंट का पहला चरण समाप्त हो चुका है। यह चरण 1 से 15 दिसंबर तक चला। पहले चरण के प्लेसमेंट अभियान में विभिन्न उद्योग में 1109 ऑफर दिए गए। इनमें से 1035 अपार छात्रों द्वारा स्वीकार कर दिए गए। इस उपलब्धि

250 से अधिक कंपनियां हुई शामिल

आईटी कानपुर में प्लेसमेंट सत्र के पहले चरण के दौरान 250 से अधिक कंपनियों ने छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार लिया है। इसमें बीपीसीएल, एनपीसीआई, डेटा ब्रिक्स, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, औरासेल, इंटेल्, कालकॉम, टैक्सास इंस्ट्रूमेंट, इनकॉर्पोरेटेड, मीशो, शिपको रेट, रिलायंस, मेरिल लाइफ, ड्यूश बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, अमेरिकन एक्सप्रेस, एसएलबी, मिक्रान, कार 24, और डिफेंडट्स आदि कंपनियां शामिल थीं।

नौकरी प्राप्त करने वाले छात्रों को डायरेक्टर ने दी बधाई

आईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर मणीनंद अग्रवाल, ने कहा कि आईआईटी कानपुर को प्लेसमेंट सत्र के पहले चरण के दौरान अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है। अंतर्राष्ट्रीय अवसरों सहित बड़ी संख्या में ऑफर हमारे छात्रों के गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को दर्शाते हैं। मैं प्लेसमेंट सत्र के पहले चरण में नौकरी प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को बधाई देता हूँ और प्लेसमेंट के दूसरे चरण की तैयारी कर रहे छात्रों को शुभकामनाएं देता हूँ।

में कंपेंस प्लेसमेंट और फी प्लेसमेंट ऑफर पीपीओ दोनों शामिल हैं। इस वर्ष के पहले चरण के प्लेसमेंट की बात करें तो 28 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट मिला है। जो पिछले वर्ष की तुलना में

27व की वृद्धि हुई है। इस चरण में कोर उद्योगों में प्लेसमेंट की वृद्धि देखने को मिली है। पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग से उल्लेखनीय योगदान दिया। जिसमें बीपीसीएल इस श्रेणी में शीर्ष भारती करता के रूप में उभरा है।

गोविंद नगर पुल से किशोरी ने कूदने का किया प्रयास, ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ने बचाया

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

सोमवार को कानपुर शहर में एक बड़ी घटना होते-होते बच गई। एक किशोरी गोविंद नगर पुल से छलांग लगाकर जान देने का प्रयास किया। लेकिन ट्रैफिक पुलिस के सिपाही और राज्यों ने उसे ऐसा करने से रोक लिया। किशोरी बुरी तरह से रो रही थी। उसे गोविंद नगर थाने ले जाया गया। वहां पर उसने अपने पिता और अपना नाम तो बताया मगर कुछ और बताने को तैयार रही थी। दोपहर तक पुलिस उसके घर का पता मोबाइल नंबर और घटना का कारण जानने के

लिए किशोरी से पूछताछ करती रही। घटनाक्रम के मुताबिक सोमवार दोपहर लगभग 1:00 बजे एक किशोरी ने गोविंद नगर पुल पर चलकर नीचे कूदने का प्रयास किया। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने आनन-फानन में उसे कूदने से रोक लिया। पल के नीचे ही ट्रैफिक पुलिस सिपाही झुट्टी पर तैनात था। वह भी तत्काल मौक पर पहुंच गए किशोरी बुरी तरह से रो रही थी। रोती हुई किशोरी लोगों से हाथ छुड़ाने का प्रयास कर रही थी। वह कह रही थी कि मुझे छोड़ दो जाने दो। वह लोगों से लगातार हाथ छुड़ाने का प्रयास कर

रही थी। जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। एडीसीपी साउथ महेश कुमार ने बताया कि किशोरी को गोविंद नगर थाने ले जाया गया। जहां पर उससे पूछताछ में अपना नाम अंजली रामानी बताया। अंजलि 17 साल की है उसके पिता का नाम आशीष प्रसाद है। एडीसीपी के मुताबिक जब किशोरी से उसके घर का पता और परिवार वालों का मोबाइल नंबर पूछ गया तो उसने बताने से इनकार कर दिया। फिलहाल अभी तक किशोरी के आत्महत्या करने के पीछे की वजह का पता नहीं चल सका है।

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस पर निकाली भव्य शोभा यात्रा

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

जिला आर्य प्रतिनिधि सभा कानपुर नगर के तत्वाधान में महर्षि दयानंद के अद्वितीय शिष्य, शुद्धि आंदोलन के अग्रणी नेता, गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के उन्नायक और समाज के गौरव अमर बलिदान स्वामी श्रद्धानंद जी का 98वा बलिदान दिवस सोमवार को उत्साह पूर्वक मनाया गया। जिसमें एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई जो आर्य कन्या इंटर कॉलेज गोविंद नगर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस आर्य कन्या इंटर कॉलेज में आकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में नगर के विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं -छात्र तथा सभी आर्य समाजो के पदाधिकारी शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए सभा प्रधान चन्द्र कान्हा गेरा ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी मानवता के प्रकाश स्तंभ ,एक निर्भीक सन्यासी थे।उन्होंने आर्य शिक्षा पद्धति पुनः स्थापित कर मैकाले की शिक्षा- नीति का करारा जबाव दिया।चांदनी चौक में संगीनों के सामने सीना खोलकर अंग्रेजी पुलिस को गोली चलाने के



लिए ललकारा था।स्वामी श्रद्धानंद ने भारत को लोक अदालतों का विचार दिया।स्वामी श्रद्धानंद जी भारत में शुद्धि आंदोलन चलाने वाले पहले महान व्यक्तित्व थे। जनसभा के पश्चात कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य शोभायात्रा रही। जिसमें आर्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्राएं, स्वामी श्रद्धानंद एवं महर्षि दयानंद का रूप धारण कर भगवा वस्त्र में दो घोड़ियों पर सवार होकर आर्य समाज की

पताका लिए सबसे आग चल रही थी। इसके पीछे एक बालिका भारत माता बनकर बन्धी पर सवार रही। आर्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने बैंड पर सुंदर धुन निकाल सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। महर्षि दयानंद विद्यालय दीपपुर, आदर्श नेताजी सुभाष शिक्षा कृष्णनगर, कामद सरस्वती इंटर कॉलेज विश्व बैंक बर्रा, विश्व भारती ज्ञान निकेतन इंटर कॉलेज गोविंद नगर, सरस्वती शिशु

गोविंदपुरी स्टेशन के नए बोल्टर रहित ट्रैक पर चली ट्रेनें, लिया गया ट्रायल



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

गोविंदपुरी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर बना बोल्टर (गिट्टी) रहित ट्रैक सोमवार से चालू हो गया। सुबह मालगाड़ी को कांशन लेकर निकाला गया। दोपहर और शाम के समय तीन लंबी दूरी की ट्रेनें झांसी और दिल्ली की ओर खाना हुईं। इस दौरान ट्रेनों की गति करीब 30 किलोमीटर प्रतिघंटे रही। स्टेशन पर पिछले करीब सवा महिने से प्लेटफार्म नंबर एक के ट्रैक पर कार्य चल रहा था। यहां पर बने बोल्टर ट्रैक को हटकर सीमेंटेड किया गया। इसका उपयोग वॉशिंग एग्ने की तरह किया जा सकेगा। ट्रैक को साफ करना आसान रहेगा। ट्रेनों की धुलाई और सफाई ट्रैक पर ही हो सकेगी। ट्रैक के किनारे पर पानी की लाइन भी डाली गई। इसका उपयोग ट्रेनों में पानी भरने के लिए होगा। सोमवार की सुबह झांसी की ओर से जूही यादव की ओर जा रही मालगाड़ी प्लेटफार्म नंबर एक से गुजरी। रेलवे के तकनीकी स्टाफ ने इसका जायजा लिया। दोपहर और शाम को तीन ट्रेनें गईं। बता दें कि महाकुंभ के दौरान काफी संख्या में ट्रेनें गोविंदपुरी स्टेशन से होकर जाएंगी। इसकी वजह से स्टेशन पर चल रहे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अभी ट्रैक की निगरानी जारी रहेगी। ट्रेनें कांशन लेकर ही निकाली जाएंगी।

विद्या मंदिर आदि विद्यालयों के बच्चों एवं सनातन सगम गोबिन्द नगर ने शोभायात्रा में सहभागिता की। बच्चे वेद की श्रुति जलती रहे, स्वामी श्रद्धानंद अमर रहे, आर्य समाज की जय आदि के नारे लगा रहे थे। आर्य कन्या की छात्राओं ने पूरी शोभायात्रा में विश्व पर्यावरण की शुद्धि का मुख्य कार्य यज्ञ संपादित किया। स्त्री आर्य समाज गोविंद नगर की महिमा शोभायात्रा में श्रद्धि गथा के भजन गाते हुए चल रही थी। युवा मोटरसाइकिलो पर ओम ध्वज लेकर सवार थे।

जाग जगह व्यापारियों एवं जनता ने शोभा यात्रा का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया। संचालन आनन्द आर्य ने किया। शोभा यात्रा व जनसभा में प्रमुख रूप से सन्तोष वेदालंकार,प्रधान चन्द्र कान्ता गेरा,आनन्द आर्य, अशोक आनन्द, सुरेन्द्र गेरा, प्रकाश वीर आर्य, डा.वीना आर्य, सुभाष आर्य, पार्षद नवीन पंडित, डा.उमेश पालीवाल, प.राम कुमार पाठक, श्रुतकीर्ति वेदरत्न, उदयवीर सिंह, वीरा चोपड़ा, आदि रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत-नैली, विकास खंड-अकबरपुर, जनपद-अम्बेडकर नगर

पत्रांक: मेमो/पंचायत/निविदा/2024-25

दिनांक: 22.12.2024

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत नैली, विकास खंड अकबरपुर में राज्य वित्त/चौदहवां वित्त आयोग/ पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा योजना अन्तर्गत आवंटित धनराशि के सापेक्ष अनुमोदित कार्ययोजना वर्ष 24-25 के निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु फर्म के लेटर पैड पर मुहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें दिनांक 24-12-2024 से 27-12-2024 तक प्राप्त: 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। तदोपरान्त प्राप्त निविदायें दिनांक 27-12-24 को सायं 4 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी। निविदा के नियम व शर्तें पत्र में अंकित हैं:--

क्र.	परियोजना का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री का ब्यौरा
1.	ग्राम पंचायत में राम नवल पाल के घर से राजपाल के घर तक मिट्टी एवं खड्डा निर्माण कार्य।	3 लाख	मिट्टी, गिट्टी, सीमेण्ट, मौरंग, बेंट व अन्य सामग्री
2.	हरिराम के घर से रत्तीलाल के घर से होते हुए इंद्रेश के घर तक भूमिगत नाली निर्माण कार्य।	2 लाख 50 हजार	गिट्टी, सीमेण्ट, मौरंग, ईट व अन्य सामग्री

नियम व शर्तों का विवरण:-

1- जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु सूचित किया जायेगा।

2- आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं करने पर आपूर्ति आदेश निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्मों को आपूर्ति आदेश देने के लिए ग्राम पंचायत स्वतंत्र होगी।

3- फर्म जी0 एच0 टी0 पंजीकृत हो व आयकर दाखिल करने की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।

4- जो दरें प्रस्तुत की जायें, वह दरें जी0एच0टी0 तथा डूलाई, लदाई, उतरवाई तथा अन्य कर जोड़ कर प्रस्तुत की जाये।

5- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आपूर्ति आदेश पर ही की जायेगी।

6- प्रस्तुत दरें PWD द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

7- स्वीकृत आपूर्ति कर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मांग के उपरान्त ही किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्ति कर्ता को भुगतान नहीं किया जायेगा।

8- बिना कोई कारण स्पष्ट किये निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को निहित होगा।

आकाश वर्मा

ग्राम प्रधान

अमरजीत शर्मा

ग्राम पंचायत सचिव

फ्रीप्रेसदी के तहत पॉपकॉर्न के लिए तीन अलग-अलग कर दरों की बेगुनी बात ने सोशल मीडिया पर मीम्स की सुनामी ला दी है। यह एक गहरे मुद्दे को उजागर करता है। एक ऐसी प्रणाली की बढ़ती जटिलता को बताता है, जिसे अच्छे और आसान होना चाहिए था।

-जयराम रमेश



हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

janexpresslive

लखनऊ, मंगलवार, 24 दिसंबर, 2024

06

जन एक्सप्रेस



सम्पादकीय

मनु की रचना नहीं उनकी स्मृति में लिखी गई कृति है मनुस्मृति

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने जाति के जन्म और विकास पर गहन विवेचन विश्लेषण किया था। उन्होंने कोलम्बिया विश्वविद्यालय न्यूयार्क में 9 मई 1916 के दिन एक लिखित भाषण दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1993 में ‘डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर लेख व भाषण’ (खंड 1) प्रकाशित किया था। इस पुस्तक में न्यूयार्क वाला भाषण संकलित है। सम्पादक मण्डल ने भूमिका (पृष्ठ 14) में ‘भारत में जातियाँ’ शीर्षक देकर लिखा है, डॉ. अम्बेडकर के अनुसार भारतीय प्रायद्वीप के एक छोर से दूसरे छोर तक लोगों को सांस्कृतिक एकता ही एक सूत्र में बाँधती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गडुल गाँधी मनुस्मृति लेकर सदन में गए। मनुस्मृति के हवाले से तमाम छोट्टी बातें की। वे इतिहास बोध से नहीं जुड़ते। आखिरकार इन मनु का परिचय क्या है? ऋग्वेद वाले मनु या शतपथ ब्राह्मण वाले मनु? हम मनुष्य हैं। मनुष्य का अर्थ है मनु के या मनु का। मानव का अर्थ भी यही है-मनो: अल्पयाम मानव:। संस्कृत विद्वान डॉ. सूर्यकांत ताली ने ऐसे तमाम उद्धरण देकर मनुज को मनु की सन्तान बताया है। मनुज, मनुष्य या मानव मनु के विस्तार हैं। कालगणना की बड़ी इकाई है मन्वन्तर। इसके पहले छोटी इकाई है युग। सत्युग, त्रेता, द्वापर और कलयुग चार युगों को जोड़कर महायुग बना है। 31 महायुग का जोड़ मन्वन्तर है। हरेक मन्वन्तर में एक मनु है। मन्वन्तर दो मनुओं के बीच का अन्तर काल है। अब तक अनेक मनु हो चुके हैं। एक मनु ऋग्वेद में है। ऋग्वेद के ऋषि ने मनु को पिता कहा है। हरेक मंगल कार्य में आगे-आगे चलते हैं। शतपथ ब्राह्मण में वर्णित मनु जलप्रलय में वे मछली की सहायता से अकेले ही बच निकले थे। मनु ने ही सुष्टि बीजों की रक्षा की थी। अथर्ववेद वाले मनु भी ऐसे ही हैं और मत्स्य पुराण वाले मनु भी। जयशंकर प्रसाद की ‘कामायनी’ में भी इन्हीं मनु का वर्णन है। भारतीय काव्य, पुराण और वैदिक मन्त्रों में विस्तृत मनु हमारी राष्ट्रीय स्मृति के रहस्यपूर्ण प्रतीक हैं। मनु की स्मृति में लगभग 2000 वर्ष पहले बुद्ध हैं। मनुस्मृति का इतिहास बहुत प्राचीन नहीं है। इसके 500 बरस पहले बुद्ध हैं। मनुस्मृति मनु की रचना नहीं है। यह मनु की स्मृति में लिखी गई किसी अन्य विद्वान की कृति है। वैसी ही जैसी गांधीजी की स्मृति में लिखी कोई पुस्तक है। गांधी का लिखा साहित्य उपलब्ध है इसलिए हम गांधीजी की स्मृति में लिखे गए ग्रन्थों व गांधी द्वारा लिखे गए साहित्य में फर्क कर लेते हैं। मनु ने स्वयं कोई पुस्तक लिखी नहीं। ऋग्वेद में मनु सम्बन्धी विवरण ऋषियों के हैं। शतपथ ब्राह्मण या पुराणों के मनु विषयक उल्लेख अन्य रचनाकारों के हैं। जल प्रलय कवि कल्पना या छोटी घटना नहीं थी। इसका उल्लेख बाइबिल में है, कुरान में भी है। चीन की कथाओं में है। यूनान के भी कथा सूत्रों में हैं। जल प्रलय में अकेले बचे मनु ने कोई ग्रन्थ लिखा नहीं। वे मनुस्मृति के लेखक नहीं हैं। मनुस्मृति के कतिपय अंश वर्ण विभेदक हैं। इसी आधार पर मनुस्मृति की निन्दा होती है। इसी किताब को लेकर मनु को गालियाँ दी जाती हैं। मनु पर जाति व्यवस्था को जन्म देने के आरोप लगाए जाते हैं। बेचारे मनु इस आरोप का उत्तर या स्पष्टीकरण देने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वे तब भी उपलब्ध नहीं थे, जब मनुस्मृति की रचना हुई। इस विषय पर कुछ भी बोलने वाले मनुवादी कहे जाते हैं। मैं प्रतीक्षा में हूँ कि मुझे मनुवादी वगैरह कहा जाय। मूलभूत प्रश्न है कि क्या कोई भी एक व्यक्ति वृहत्तर भारतीय समाज को जाति-पाति में विभाजित करने की शक्ति से लैस हो सकता है? क्या समाज उसके आदेशानुसार जातियों में बँट जाने को तैयार था? क्या उसके आदेशों के सामने पूरा समाज विरेश था? वह मनु हों या कोई भी शक्तिशाली सम्राट? क्या एक व्यक्ति ऐसा कार्य करने में सक्षम हो सकता था? क्या शक्तिहस्मन् तानाशाह, राजा या बादशाह ऐसी व्यवस्था लागू करने में सक्षम हैं? ऐसे प्रश्नों का उत्तर है, नहीं।

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 रेसिपी, बीमारियों से भी होगा बचाव

सर्दी के मौसम में सेहतमंद रहना के लिए जरूरी है कि आप अपने खान-पान का खाद्य ध्यान रखें। दरअसल, सर्दियों में खांसी, जुकाम और बुखार की समस्या के कारण बच्चों से लेकर बड़ें सभी परेशान रहते हैं। ऐसे में ठंड से बचने के लिए जरूरी है कि आप खुद को गर्म कपड़े से ढक कर रखें और खाने पीने में किसी तरह की लापरवाही न बरतें। इतना ही नहीं सर्दियों के मौसम में अपने शरीर को गर्म रखने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ ऐसी रेसिपिज को भी शामिल कर सकते हैं, जो आपको ठंड से बचाने और आपके शरीर को गर्माहट देने में मदद कर सकते हैं।

रगी दलिया सूप: रगी की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दियों के मौसम में खाने के लिए ये एक हेल्दी विकल्प है। आप रगी को दलिया के रूप में भी खा सकते हैं। रगी दलिया बनाने के लिए सबसे पहले आप 2 बड़े चम्मच रगी का आटा, 2 कप पानी, स्वादानुसार गुड़ और दूध भी ले सकते हैं। रगी के अटे को थोड़े से पानी के साथ मिलाकर इसे अच्छी तरह फेंटे ताकि इसमें कोई गांठ न रह जाए। इसके बाद एक बर्तन में पानी उबालें और तैयार पेस्ट उसमें डाल दें और धीमी आवाज़ पर गाढ़ होने तक पकाएं। जब आपकी दलिया तैयार हो जाए तो इसमें गुड़ और दूध डालकर 1



मिनट और पकने दें।

बोन ब्रॉथ सूप: बोन ब्रॉथ में कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो आपकी इम्युनिटी को मजबूत करने और मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। बोन ब्रॉथ बनाने के लिए आप चिकन या मटन की हड्डियाँ लेकर अच्छी तरह साफ कर लें। फिर इन्हें 4 कप पानी में 2 लहसुन, 1 इंच अदरक, नमक, काली मिर्च, जीरा, प्याज, टमाटर और अन्य जड़ी-बूटियों को डालकर कम से कम 4 घंटे तक उबालें। फिर इसे छान लें और गर्मागर्म परोसे।

लहसुन वाला दूध: सर्दी के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए आप अपनी डाइट में लहसुन वाला दूध भी शामिल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए 1 कप दूध में 1/2 कप पानी और 2 से 3 कुचली हुई लहसुन की कलियों को डाल दें। फिर इसमें आप

स्वादानुसार गुड़ या शहद और हल्दी भी डालकर अच्छी तरह उबालें और गर्मागर्म पिएं।

हर्बल कषायम: हर्बल कषायम आपके शरीर को गर्म रखने और ठंड के मौसम से सर्दी, जुकाम और खांसी की समस्या से राहत दिलाने में काफी फायदेमंद होता है। इसे बनाने के लिए आप 5 तुलसी के पत्ते, 1/2 चम्मच काली मिर्च, 1/2 चम्मच जीरा, 1 इंच अदरक, 1 पान का पत्ता, गुड़ और 2 कप पानी लें। पानी में सभी सामग्रियों को डालकर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। इसके बाद पानी को छानकर अलग कर लें और गर्मागर्म पिएं।

जौ का पानी: सर्दी के मौसम में आप अपने शरीर को गर्म रखने के लिए जौ का गर्मागर्म पानी भी पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए आप 2 चम्मच जौ को 4 कप पानी में 10 तक उबाले और फिर पानी को दूसरे बर्तन में छानकर उसमें नींबू का रस मिला लें और गर्मागर्म पिएं।

निष्कर्ष: सर्दियों के मौसम में शरीर को गर्म रखने और ठंड के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए आप इन 5 रेसिपी को ट्राई कर सकते हैं। इन्हें बनाना भी आसान है, और बड़ों से लेकर बच्चों सभी की सेहत के लिए ये फायदेमंद होता है।

विचार एक्सप्रेस



दिल्ली आकर सीएम साय ने निवेशकों को दिया...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-30 की खूबियां को साझा...

पृष्ठ 12 पर...

एक्सप्रेस आलेख

यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़ें बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

उपभोक्ताओं को मिले त्वरित न्याय



योगेश कुमार गोयल

पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए ‘राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस’ मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्स्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अवसर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को ‘उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019’ (कन्स्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरुआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के



उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है।

बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठ सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में

कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मनुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया। ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकारिण लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैसनी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं।

एक्सप्रेस ज्ञान

जीवन वह नहीं है जिसकी आप चाहत रखते हैं अपितु यह तो वैसा बन जाता है, जैसा आप इसे बनाते हैं



- कृष्णन्द्र राय

एक्सप्रेस विशेष

किसानों की बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह



रमेश सर्ताफ धमोरा

आज किसानों की हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानों को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वे कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरकी नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हें 6 माह जेल का सजा हुई। 1940 के व्यक्तित्व सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अग्रस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिक्षाचार भारतीय समाज में शिक्षाचार

इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी।

के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे-से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख-दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसीलिए उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चुकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय

कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानों ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था।

तीन आतंकियों की मौत से तराई में फिर ताजा हो गई आतंकवाद की यादें

आतंकी घटनाओं के बाद पुलिस भी करती थी बेकसूरों पर जुल्म

हथियार और आर्थिक जरूरतें पूरी करने के करते थे अमीरों का अपहरण

जन एक्सप्रेस | प्रशान्त शर्मा

पूरनपुर। तराई बीते दशकों से आतंकवाद का दामन झेलती चली जा रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 को हत्या के बाद देश में सिख विरोधी दंगे हुए थे, तो उनकी आग पीलीभीत तक भी पहुंची थी। कई गांव में सिखों के झालों पर लूटपाट और हमले हुए थे। पुलिस ने मदद और सहानुभूति की गुलफत पीड़ितों के साथ अन्याय किया जा रहा पीड़ितों के साथ अन्याय किया तो बाद के समय में तराई के कुछ युवाओं ने आतंक की आग में झुलसते पंजाब की राह पकड़ ली थी। तराई में सोमनगर तड़के खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) संगठन



के तीन आतंकियों की मुठभेड़ में मौत से खलबली मच गई। आज तराई में आतंकवाद प्रभावित परिवारों के जेहन में दशकों पुरानी यादें ताजा हो गईं। दशकों पहले पीलीभीत की तराई से राह भटके उन नौजवानों की पंजाब में खालिस्तान फोर्सों, भिंडराला टाइगर फोर्स बब्बर

मालसा जैसे उग्रवादी संगठनों ने अपने साथ मिलकर आतंकी ट्रैनिंग देने का काम किया। आतंकियों के समूहों ने उन्हीं नौजवानों को मोहरा बनाकर पीलीभीत की तराई में दस्तक दे डाली थी। जानकार बताते हैं कि बिलसंडा क्षेत्र का रहने वाला एक युवक भी आतंकियों के गिरोह का सदस्य बना था, जो अपने दबंग पड़ोसी उसको दोस्त थाना प्रभारी की प्रताड़ना से शुध्द होकर आतंक की राह चल पड़ा था। 90 के दशक में देखते-देखते पीलीभीत पूरा इलाका खीरी की तराई का लूरा इलाका आतंकी साप में आ गया था? हेर रोज तराई में एके-47 गरजती थी। आतंकी समूह मुसलमानी के शक में किसी की भी मौत के घाट उतार देते थे। ऐसे ही पुलिस आतंकियों को मददगार मानकर किसी भी आम आदमी के दामन से पीछे नहीं हटती थी। आतंकी समूह हथियार खुशदेने और अपनी दूसरी आतंकी जरूरत को पूरा करने के लिए अमीरों के अपहरण करते थे।

अटल बिहारी वाजपेयी नाइट विस्तार केंद्र का केन्द्रीय राज्य मंत्री ने किया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

सोमवार को केन्द्रीय राज्यमंत्री इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकि मंत्रालय भारत सरकार जितिन प्रसाद, राज्यमंत्री गंगा विकास एवं चीनी मिले संजय सिंह गंगवार, जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बरखेडा विधायक स्वामी प्रवक्तानन्द एवं जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी नाइटलि विस्तार के प्रतीतीभीती कडा उद्घाटन जनपद के ड्रग्डड राजकीय इण्टर कालेज में किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि महत्त्वपूर्ण पहल उभारी प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक प्रयोगशाला और प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ पीलीभीत और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं और समाज को सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम है। अटल बिहारी वाजपेयी विस्तार केन्द्र के उद्घाटन समारोह के साथ मंत्री ने नव विकासित परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण सुखा पर केन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर सुखा जैसे जटिल विषय की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रशिक्षु आसपास के स्कूलों और कॉलेजों के छात्र भाग ले। नाइटलि के तहत ओ0लेवल और सीसीसी जैसे पाठ्यक्रम में नये नामांकित छात्र/ छात्राओं को इन कोर्स का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र में ब्लॉकचेन, साइबर सुखा क्लाउड कम्प्यूटिंग आदि जैसी उभरती तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। जो प्राप्त विकास मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी है। युवाओं के कैरियर में प्रगति देखने को मिलेगी। ओ0 लेवल, ए0 लेवल व सीसीसी विभिन्न राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा मान्य प्राप्त है और प्रदेश में विभिन्न राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए अनिवार्य है। ओ लेवल पाठ्यक्रम छात्रों को कम्प्यूटर मरम्मत

और रखरखाव के क्षेत्र में नौकरियां/रोजगार पाने या स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि जो छात्रों को अपने उद्योग/स्टार्टअप को सशक्त बनाने और नौकरियों के कई अवसर प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा नवनिर्मित केन्द्र में एसी/एसटी छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नाइलिट पाठ्यक्रम से छात्र स्वयं को स्व-रोजगार योग्य भी बन सकते हैं। प्रशिक्षित छात्र प्राप्त स्तर के उद्यमी बन सकते हैं और आईटी, एनएसक्यूटिव, आईटी सहायक, जूनियर प्रोग्रामर, प्रयोगशाला सहायक, शिक्षा आदि के रूप में नौकरियां/रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले छात्र कम्प्यूटर हाब्सवर कार्यों और आईटी तथा ई-गवर्नेंस सेवाओं के लिए अपना स्वयं का व्यवसाय/प्रतिष्ठान भी शुरू कर सकते हैं, जिससे प्रधानमंत्री के अन्त्योदय एवं स्वावलम्बन के विचार को धरातल पर लाया जा सकेगा। नाइलिट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सोशल मीडिया, फ्रिन्ट मीडिया, अपनी अधिकारिक वेबसाइट और पैम्फलेट सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से विज्ञापन जारी करता है। छात्र थैज्ज ब्डम्प थैज्ज व्जम्प के आधार पर केन्द्र पर जाकर एवं सीटों की उपलब्धता के आधार पर नाइलिट के ऑनलाइन छात्र पोर्टल के माध्यम से प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश के लिए किसी परीक्षा की आवश्यकता नहीं है। नाइलिट छात्रों को उद्यमशीलता कौशल प्रशिक्षण देता है कि ताकि छात्र अपना स्टार्टअप शुरू कर सकें। अन्त बिहारी बाजपेयी नाइलिट विस्तार केन्द्र पीलीभीत के द्वारा आसपास के किसानों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं आदि को विशेष डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ मदन मोहन त्रिपाठी एवं नाइलिट गोरखपुर निदेशक डॉ डी. के. मिश्रा उपस्थित रहे।

जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के सभा कक्ष में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने अधिवक्ताओं से किया संवाद

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के सभा कक्ष में सोमवार को अधिवक्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि बुद्धिजीवियों के सहयोग से पीलीभीत जनपद का बहुमुखी सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि न्यायिक क्षेत्र में भी सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से जन सामान्य को कम समय में सस्ता और सुगम व्यवस्थापन के लिए हम सभी लोगों को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने बार एसोसिएशन की ओर से दिए गए ज्ञानपत्रों पर भी समुचित कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया।

जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेन्द्र मिश्रा एडवोकेट की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के साथ ही प्रदेश के राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवृत्तानंद, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ आर्या



अग्रवाल, जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। संचालन महासचिव आनंद मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर जिला संयुक्त बार एसोसिएशन की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री को अवगत कराया गया कि कई महीने में केंद्र सरकार की ओर से पूरे प्रदेश में 1600 से अधिक नोटरी अधिवक्ता बनाए गए। इनमें से 50 से अधिक अधिवक्ता पीलीभीत के भी शामिल हैं। इन सभी लोगों को नोटरी का काम करने का सर्टिफिकेट केंद्र सरकार से दिलाया जाए। अधिवक्ताओं ने पीलीभीत जनपद में



मोटरसाइकिल सवार युवक को मौत हो गई। उपर उपर सकलु यादव के घर में घुसा, जिससे काफी लोग बाल बाल बच गए। परिजनों ने मृतक युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार करंजाकला के निवासी पूर्व प्रधान जंग बहादुर यादव का 26 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार यादव शहर से कामकाज निपटाकर बुलेट मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। जैसे ही वह पूर्ववर्चल विश्वविद्यालय पुलिस चौकी के समीप पहुंचा था कि जिनपूर शाहजंग नाम पर शाहजंग की और से आ रही डपर का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे उलटी दिशा में आकर बुलेट मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मारते हुए डपर सकलु यादव के घर में घुस गई। डपर में मौजूद कुमार यादव लोग बाल बाल बच गए। डपर में बुलेट फंसकर छत्रिस्थर हो गया और अरविंद यादव की मारी रूप से घायल हुआ। घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग जुट गए। इस दौरान लोगों ने आने फान में घायल अरविंद यादव को जिला अस्पताल लेकर जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया।

किशोरी ने घर में फांसी लगाकर दी जान

जान पकरास । **जोभपुर** । सरायख्वाजा के नरौली गांव में रविवार शाम एक किशोरी का शव घर के एक कमरे में फांसी के फन्दे झूला मिला सुवान पर पहुंची पुलिस ने शव घर में लेकर कमरे में जूट गई । नरौली गांव निवासी रावदेव गोपाम की 17 वर्षीय पुत्री कनिनी घर के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी थीपरजनों के मुताबिक रविवार शाम भुतका के माता पिता घर से दो सी मी. दूर स्थित खेत की फसल देखने गए थे, इसी दौरान घर में अकेला पाकर किशोरी ने शाक दमक उठा लिया। घर में मौजूद साड़ी के सहारे पंखे पर फंदा लगाकर मौत को गले लगा लिया । शाम करीब सात बजे जान परीजन घर पहुंचे तो युवती के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। आसपास के लोगों ने आवाज दी लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। परिजनों को किशोरी के सोने की आशंका हुई, लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी घर दरवाजा नहीं खुला तो लोगों में चंचा का स्थान बढ़ गया। थोड़ी देर बाद लोग एकजुट हो गए और घटना की जानकारी विषयी पुलिस को दे चुकाना मिलते ही थानाध्यक्ष मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर किसी तरीके से दरवाजा को तोड़ा, तो देखा किशोरी का शव फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने शव को उररवाया और कार्यावाही करते हुए शव को कब्जे में ले लिया। परिजनों से पूछाछ की, लेकिन घटना का कुछ पता नहीं चल सका। थानाध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया शव को कब्जे में लिया गया है हमसे से किसी भी तरह की सुसाइड नोट या घटना से संबंधित साक्ष्य नहीं मिले हैं। घर को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की पड़ताल की जा रही है।

**जनपद न्यायाधीश के द्वारा जिला
कारागार का किया गया औचक निरीक्षण**



■ बंदियों से की वार्ता, जानी समस्याएं एवं बंदियों की समस्याओं का निस्तारण करने के दिये निर्देश

अस्पताल निरीक्षण के दौरान बीमार बंदिियों से बातचीत करके हुये उनके स्वास्थ्य के बावत भी जानकारी ली गई और वहां उपस्थित डॉक्टर को कड़े निदेश देते हुए कहा कि बीमार बंदिियों को स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। निरीक्षण के दौरान जेल अधिकी को निर्देशित किया गया कि मानक के अनुरूप बंदिियों को सम्स्त सुविधाये उपलब्ध करवाई जाये। निरीक्षण के दौरान जपद न्यायाधीश द्वारा साफ सफाई की व्यवस्था देखी गई और निर्देशित किया कि निर्धारित मानकों के अनुरूप बंदिियों को भोजन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने कारागार की सफा साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर जिला जज/ पूर्ण कालिक सचिव सुनील कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जेल अधिकी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के कर कमलों से 247 छात्राओं को स्मार्टफोन एवं 7 छात्राओं को प्रदान किए गए टैबलेट

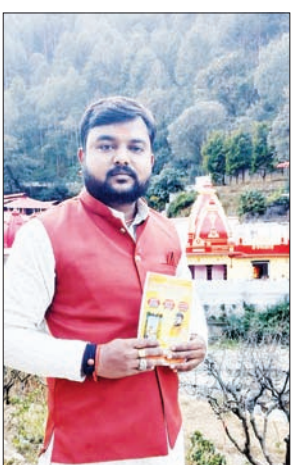
मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के शासनकाल में उत्तर प्रदेश पूरे देश का विकास का केंद्र बनता जा रहा है- संजय सिंह गंगवार

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

इसका हर पल आपके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है इसलिए समय का सम्मान करिए तथा समय का सदुपयोग करते हुए अपने भविष्य के निर्माण के देश के निर्माण में योगदान दीजिए यही एक छात्र जीवन की सबसे बड़ी देश के प्रति जिम्मेदारी होती है अंत में उन्होंने सभी छात्राओं को उनके स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा स्मार्टफोन एवं टैबलेट प्रदान किए। माननीय मुख्य अतिथि महोदय के करकमलों से स्मार्टफोन एवं टैबलेट प्रकार छात्राएं अत्यंत उत्साहित एवं प्रसन्न थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ सजिन गिहार द्वारा किया गया डॉ अंबा प्रसाद द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय छात्राओं को दिया गया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ स्मिता जैन द्वारा की गई। कार्यक्रम में डॉ फजलुर्रहमान, डॉ. अतुल मालिक, डॉ बरखा, मनोज कुमार, अजीत कुमार, जितेंद्र कुमार राना राजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। जिनके सहयोग से सभी छात्राओं को स्मार्टफोन प्रदान किया जा सके। कार्यक्रम में अन्य अतिथि गण भी उपस्थित रहे।

जनपद में धूमधाम से निकलेगी श्री नीम करोली जी महाराज एवं हनुमान जी महाराज की भव्य रथ यात्रा- सभासद महंत सेवक विशाल

जन एक्सप्रेस | मुकेश कुमार



पोलीभीत। श्री बालाजी सिद्ध ब्रह्मदेव संकीर्तन दरबार की ओर से विगत कई वर्षों की भांति इस बार भी श्री हनुमान जी महाराज की चतुर्थ वार्षिक उत्सव भव्य यात्रा गुरुवार 9 जनवरी 2025 को सुबह 11:00 से जनपद के काशीराम नगर कॉलोनी से शहर की ओर प्रस्थान करेंगी। तो वहीं शुक्रवार को श्री हनुमान जी महाराज का वार्षिक उत्सव दरबार जो की दोपहर 1:00 से प्रारंभ होगा इसके बाद शनिवार 11 जनवरी को हवन कन्या पूजन एवं भव्य धाड़े का आयोजन सुबह 12:00 से आरंभ किया जाएगा। बताते चले कि यह समस्त कार्यक्रम ईराहाद काशीराम कॉलोनी बालाजी मंदिर के प्रांगण में संपन्न होंगे।



का वार्षिक उत्सव दरबार धूमधाम एवं हॉर्षोल्लास के साथ आयोजित होता आया है इस बार भी यह वार्षिक दरबार उत्सव धूमधाम के साथ संपन्न होगा।	पांडेय द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि मा0 राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने किसानों व सम्बन्धित करते हुए कहा कि चौध
---	---

किसानों की खुशहाली से होगी देश की उन्नति : राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी

जन एक्सप्रेस | जौनपुर

अध्याग द्वारा सोमवार को कृष्ण
केन्द्र बक्शा में भारत रत्न
में के मसीहा, देश के सिंह
मौजि स्व० चौधरी चरण सिंह
देवस के अवसर पर किसान
दिवस का आयोजन किया
अतिथि मा० राज्यसभा सांसद
सोमा द्विवेदी, जिलाधिका
रित्तिनेश चंद्र, मुख्य विकास
री साई तेजा सोलम, ज्वाइ
र इशिता कौशिक के द्वारा दि
त कर कार्यक्रम का शुभारंभ
गया। उपनिदेशक कृषि हिमांशु
द्वारा अतिथियों का स्वागत
किया।
अतिथि मा० राज्यसभा सांसद
सोमा द्विवेदी ने किसानों व
धत करते हुए कहा कि चौध



चरण सिंह किसानों के सच्चे हितैषी एवं शुभचिंतक थे, किसानों के विकास के लिए मंडी अधिनियम में संशोधन करवाया ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिल सके, उन्होंने बताया कि कृषि विभागा के द्वारा कृषि यंत्रों पर छूट दिया जा रहा है। उन्होंने यंत्रों पर छूट से कहा कि परंपरागत खेती छोड़कर वैज्ञानिक आधारित खेती करना शुरू करें। युवाओं को भी खेती के क्षेत्र में आगे आने के अपील की और कहा कि आज खेती करना बहुत ही असान हो गया है और लाभदायक भी है। उन्होंने मोटे अनाज की खेती करने की अपील की। किसान देश की अर्थव्यवस्था के रीढ़ हैं, मा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की इच्छा है कि देश

के किसान की आय दोगुनी हो और किसान खुशहाल हो।

जिलाधिकारी डा० दिनेश चंद्र ने कहा कि सरका चाहती है कि किसानों की समस्या किसानों के द्वारा पत्र खत्व हो। मा० मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से जनपद में बीज, उर्वरक और सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उन्होंने सभी से कहा कि किसान का सम्मान करते, उन्नति खेती अवश्य करें। किसानों को सम्मानित करते हुए हर्ष की अनुभूति होती है। किसानों के द्वारा अतिथियों को अपने उत्पाद भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। इस दौरान अतिथियों के द्वारा जनपद के उत्कृष्ट उत्पादकता प्राप्त करने वाले 40 किसानों को प्रशस्ति पत्र और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को रुपये सात हजार एवं द्वितीय स्थान पाने वाले किसानों को रुपये पांच हजार सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया।

विशिष्ट अतिथि सलाहकार कृषि मंत्रालय भारत सरकार विजय कुमार ने कहा कि चौधरी साहब कहा करते थे कि जब तक किसानों में खुशहाली नहीं आएगी तब तक देश का समपूर्ण विकास संभव नहीं है, सरकार किसानों की खुशहाली के लिए सामान्य योजनाएं संचालित करके किसानों का सहयोग कर रही है। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा.रमेश चंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेश कर्नौजिया, डा.सुरेंद्र सोनकर, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.ओपी श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह, देवराज पांडेय सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती सपा विधानसभा अध्यक्ष ने धूमधाम से मनाई

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर विधानसभा स्थित केन्द्रीय कार्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। सपा विधानसभा अध्यक्ष ई विनय यादव, पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम सहित तमाम सपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने चित्र पर माल्यापण कर उनको याद किया। ई विनय यादव ने कहा देश के समग्र आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए आदरणीय चौधरी जी ने देश की प्रगति के आधार किसान वर्ग को चुना। कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण में उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता है। वह भूमि सुधारों के प्रमुख वास्तुकार थे। देश की नीतियों में उनका योगदान 1939 के डेट रिडेम्पसन बिल, लैंड यूटिलाइजेशन बिल, 1978 में स्थापित किसान ट्रस्ट तथा कृषकों की शोषणकारी व्यवस्था जमींदारी प्रथा उन्मूलन में दर्ज है। आज वर्तमान सरकार किसानों को

सुलभ सुविधाएँ नहीं मुहैया करा पा रही है। क्षेत्र में उर्वरकों की अनुपलब्धता, कालाबाजारी व इनकी अत्यधिक महँगाई किसानों की दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार है। इसके पश्चात सपा बिल्हौर विधानसभा कार्यकारिणी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने की। वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर पछारे समाजवादी पार्टी के

राष्ट्रीय सचिव बैकुण्ठ नाथ यादव ने दीर्घ प्रज्वलन कर सभा की शुरुआत की। बैकुण्ठ नाथ यादव ने सभा को संबोधित करते सभी कार्यकारिणी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि प्रत्याह की बैठक में सभी लोग अनिवार्य रूप से शामिल होंवें। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का स्पष्ट निर्देश है कि निष्क्रिय लोगों को पार्टी से पदमुक्त कर सक्रिय व कर्मठ कार्यकर्ताओं को पार्टी पदाधिकारी

बनाया जाये।

आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए पूरी निष्ठा से पार्टी गतिविधियों में शामिल होंवें व पार्टी दिशानिर्देशों का पालन करें। विनय यादव ने अधिक से अधिक संख्या में घर-घर जाकर पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक लोगों को पार्टी से जोड़ने व पार्टी नीतियों से अवगत करने का काम मिशन मोड में करें। वहीं पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरुद्ध राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देने हेतु 30 दिसंबर को एक धरना प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है। इस दौरान बैकुण्ठ नाथ यादव, रचना सिंह गौतम, विनय यादव, रामशंकर यादव, डॉ.के.के.यादव, छत्र पाल पाल, आशीष कटियार, राम प्रसाद पाठक, सुदेश यादव, चुन्नी लाल गौतम, पंकज यादव, ज्ञान सिंह यादव, पूर्व प्रधान उपदेश सिंह यादव,

ज्ञान चंद्र कोरी,अनिल कुशवाह, विवेक कटियार, डॉ.सतेन्द्र गौतम, आदर्श कटियार, शशिकांत पाल, राजू पाल, हरी प्रकाश यादव, रोहित बाल्मीक, दीपक गौतम प्रधान, शौर्य यादव, संपत कटियार, महावीर गैतम, राजबहादुर यादव, रजनी कांत सविता, राजेश यादव, राजू यादव, मान सिंह, अजीत यादव, लोकेश अवस्थी, वीरेंद्र वर्मा, रमेश गौतम, जगरूप यादव, दिनेश कुमार, पप्पू यादव, अनिरुद्ध कोरी, अरविन्द कोरी, धीरेन्द्र कोरी, सुनील शर्मा, सादाब, अनिरुद्ध यादव, जय राम यादव, कुलदीप यादव, पुजारी यादव, अभिनव मिश्रा, रमेश गौतम, सौरभ पाल, अंकित चक्रवर्ती, ललित कुशवाहा, राम शरण, डॉ.मिथुनेश कमल, सतपाल यादव, राजू पाल, दीपक कुमार पूर्व प्रधान, कल्लू यादव, महेन्द्र सिंह, महावीर गौतम, ब्रजेश पाल इत्यादि समाजवादी साथी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सृष्टि की जननी है बेटियां आचार्य जगतगुरु श्री राम दिनेशाचार्य जी महाराज



जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर कस्बे में वनखंडेश्वर सेवा समिति के तत्वावधान में कस्बा स्थित इंटर कॉलेज में आयोजित श्री राम कथा में रविवार को आचार्य जगतगुरु श्री दिनेशाचार्य जी महाराज ने भक्तों को भगवान राम के जन्म के सुंदर प्रसंग का रसपान कराया. उन्होंने व्यक्ति के जीवन पर संगति का क्या महत्व है और विवाह प्रसंग पर चर्चा करते हुए बेटियों के महत्व और उनकी मर्यादा को समझाया। आचार्य ने भगवान राम के जन्म की कथा सुनाते हुए कहा कि प्रखी पर जब-जब अव्याचार बढ़ा तब तब ईश्वर ने किसी ने किसी रूप में अवतार लेकर असुरों का संहार कर धर्म की स्थापना की जेता युग में राक्षसों का आतंक लगातार बढ़ रहा था। मानव जाति में हर तरफ त्राहि-त्राहि मची हुई



व्यक्ति की संगति ही उसका भविष्य तय करती है

आचार्य ने कहा कि व्यक्ति की संगति का उसके जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति योगियों के साथ योगी और भोगियों के साथ भोगी बन जाता है। अच्छी संगति व्यक्ति को महान बनाती है और बुरी संगत से उसका पतन हो जाता है।अच्छे आचरण से व्यक्ति चाहे तो ऐसा बहुत कुछ कर सकता है जिससे उसका जीवन सार्थक हो जाता है, किंतु सदाचरण का पालन न करने से व्यक्ति खोखला हो जाता है। वह चोरी बेईमानी से भले ही कुछ धन कमा सकता है और कुछ समय के लिए पद प्रतिष्ठा अर्जित कर सकता है लेकिन उसका अंत बुरा ही होता है। माता-पिता को बच्चों में अच्छे विचारों के बीज बचपन से ही बोना चाहिए। अच्छी संगत से व्यक्ति का उसका परिवार तो अच्छा होता ही है साथ ही उसका समाज व राष्ट्र पर भी हराा प्रभाव पड़ता है। अच्छी संगति मनुष्य को हमेशा कुछ नया करने की प्रेरणा देती है वही बुरी संगति व्यक्ति को गहरे अंधकार में गिरा देती अर्थात एक व्यक्ति की संगति ही उसके जीवन की रूपरेखा तय करती है।

सृष्टि की जननी हैं बेटियां

आचार्य ने विवाह प्रसंग पर प्रसंग सुनाते हुए कहा कि बेटा भले ही किसी एक कुल की शान हो सकता है लेकिन बेटियां दो कुलों का मन और सम्मान होती हैं। बेटियां ट्रस्ट की जननी हैं और उनकी मर्यादा से ही संस्कृति का उत्थान और पतन होता है. बेटियों की रक्षा करना परिवार और समाज का धर्म है। उनके सम्मान पर जहां कुटुाराघात होने लगाते हैं वहां की संस्कृति नष्ट हो जाती है।बेटों को बेटियां ही कभी मां, कभी बहन तो कभी पत्नी के रूप में संभालती हैं। कथा के समापन पर भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया इस दौरान भक्तों की भारी भीड़ पंडाल में मौजूद रही। भागवताचार्य श्री राम दिनेश आचार्य का सम्मान करते पीएसएम डिग्री कॉलेज के प्रवक्ता अशीष सिंह उर्फ मोनू आदि ने सम्मानित किया।

थी। तब अयोग्यापति दशरथ के घर राम के रूप में भगवान अवतरित हुए और उन्होंने विश्व विजेता रावण सहित

समस्त राक्षस कुल का नाश कर धर्म की स्थापना की। भगवान राम का जन्म होने से पहले ही अवध वासियों

को शुभ शगुन होने लगे थे। भगवान राम के जन्म का प्रसंग आते ही पंडाल में बधाई गीत गाए जाने लगे।

समाजवादियों ने पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती मनाई

जन एक्सप्रेस । सहारनपुर

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने किसान दिवस के रूप में मनायी। इस अवसर पर उनके राबनीतिक जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

अंबाला रोड स्थित सपा जिला कार्यालय आयोजित कार्यक्रम में सपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को उनकी जयंती पर नमन करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान जिला अध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने आजोवन किसानों के लिए संघर्ष किया और उन्हें उनके अधिकार दिलाने में अहम योगदान निभाया । जिससे उन्हें किसानों का मसीहा कहा जाता है और आप पार्टी सुप्रियो अखिलेश यादव किसानों के हर संभव संघर्ष कर उन्हें उनके अधिकार दिला रहे हैं। महानगर हाजी अध्यक्ष नवाब अंसारी एवं पूर्व मंत्री सरफराज



खान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने अपने कार्यकाल में किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य दिलाया और किसानो की समस्याओं को मजबूती से हल कराया जिसके बल पर आज किसान चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानता है। प्रदेश सचिव मंगेराम करण्य एवं प्रदेश कार्यकारिणी विशेष आमंत्रित सदस्य रतन यादव ने कहां की पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे हितेषी थे जिन्होने किसानों को सर्वोपरि सम्मान दिया और ऐसे महापुरुष के आदर्श और सिद्धांतों को जीवन में अपनाना चाहिए। महानगर विधानसभा प्रभारी अभिषेक टिंकू अरोड़ा व पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष ई.विजेश शर्मा ने

कबाड़ फैक्ट्री में लगी आग से मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शुक्लामंज। सोमवार को गंगाघाट कोतवाली अंतर्गत जाजमऊ चौकी क्षेत्र के अखुलाख नगर स्थित दीपक नगर में सोमवार को एक कबाड़ फैक्ट्री में संधिध परिस्थितियों में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी की फैक्ट्री के अंदर भरा कबाड़ धू धू कर जलने लगा। जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। और अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने बासुकिफल कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। घटना सोमवार पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे की है जब फैक्ट्री मालिक को अचानक भीतर से तेज धुंआ और गंध महसूस हुई। देखते ही देखते आग में विकराल रूप



लिया। जिसके बाद फैक्ट्री मालिक ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दे दी। आग की लपटें ने फैक्ट्री में रखा कबाड़ पूरी तरह से जल कर नष्ट हो गया। आग के कारण लाखों के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। तकरीबन दो घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका जिसके बाद लोगों ने रहत की सास ली।

शिवराजपुर के नदिया बुजुर्ग गांव में पीएमश्री संविलियन विद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो



बिल्हौर तहसील क्षेत्र के शिवराजपुर ब्लॉक के अंतर्गत नदिया बुजुर्ग गांव में पीएम श्री सम्मेलन विद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अटल आवासीय विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता द्वारा दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवराजपुर खंड शिक्षा अधिकारी कृपा शंकर यादव द्वारा की गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य महेश कुमार, एआरपी दिलीप यादव एवम वरुण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित किया गत वर्ष इसी विद्यालय से कक्षा 8 के 4 छात्र कक्षा 9 अटल आवासीय के लिए चयनित हुए छात्रों को बधाई दी वह अन्य छात्रों को भी खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिवराजपुर खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की

चंपतपुर गांव में उत्तम सन्तुलित पोषण अभियान के तहत किसान दिवस मनाया



जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में राष्ट्रीय किसान दिवस पर भारत किसानों को मुदा और पानी के बारे में चम्बल फर्टिलाइजर्स की टीम द्वारा जागरूक किया गया। मुदा प्रधान में बदती चुनौतियों का समाधान करने, मिट्टी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को प्रोत्साहित करके स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र और मानव कल्याण को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उत्तम सन्तुलित पोषण अभियान देश के 13 राज्यों में चलाया जा रहे हैं।

इसी के तहत तहसील क्षेत्र के गाँव चम्पतपुर में किसान दिवस पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया इस कार्यक्रम में किसानों को मुदा को स्वस्थ बनाये रखने के तरीकों तथा खेती में पानी के सदुपयोग और संचय पर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में चम्बल फर्टिलाइजर्स के बबलू सिंह(ऋ) ने किसानों को देश भर में चलाये जा रहे उत्तम सन्तुलित पोषण अभियान के उद्देश्य और उससे होने वाले फायदों के बारे में किसानों को जागरूक किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों में है वैज्ञानिक ज्ञान- महेन्द्र प्रताप सिंह
जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। हम अपने छात्रों को इस अनेखे शिक्षा अनुभव को प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं, क्षेत्रीय विज्ञान शहर छात्रों के लिए विभिन्न वैज्ञानिक अवधारणाओं का अन्वेषण करने और सीखने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है। आज का युग विज्ञान का युग है।

सावधान! गोलगप्पे नहीं मीठा जहर खा रहे हैं आप केमिकल युक्त पानी पूरी खिलाते है झांसी पानी पूरी वाले

जन एक्सप्रेस । दिल्ली
उपाध्याय/सोन्ू पाठक

बस्ती। सावधान! अगर आप पानीपूरी के शौकीन है तो सावधान हो जाए, क्योंकि पानी पुरी में केमिकल की मिलावट करके आपको मीठा जहर पिलाया जा रहा है। पानीपूरी का नाम लेते ही मुंह में पानी आ जाता है। हममें से शायद ही कोई होगा, जिसे पानीपूरी पसंद न हो। युवतियां तो इसकी दीवानी होती हैं। अक्सर युवक-युवतियों को पानीपूरी के ठेले के आगे देखा जाता है। शहर में कई स्थानों पर पानीपूरी के ठेले लगे होते हैं, पर अब यही ठेले स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने लगे हैं। हम सोचते हैं कि उसका पानी पदौना और धनिया से बनाया गया है, वास्तव में वह ऐसा कलर है, जो शरीर को हानि पहुंचाता है। वहीं जब तीखा-खट्टा-चटपटा पानी डालकर जब गोलगप्पे के दीवानों के सामने परोसा जाता है, तो उन्हें अद्भुत सुख मिलता है। लेकिन खबर पढ़ने के बाद आपको सचेत होने की जरूरत है, नही तो आपका

देश की जनता से माफ़ी मांगे अमित शाह- तनुज पुनिया

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। सदन में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा सविधान शिल्पी डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अपमान देश की जनता का अपमान है। इस अपमान के लिए अमित शाह को जनता कभी माफ नही करेगी। जब तक अमित शाह देश की जनता से माफ़ी नहीं मांगते हैं और प्रधानमंत्री उद्धे मंत्रीगण्डव से बर्खास्त नही करते हैं हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। यह बात सोमवार को आबरी स्थित सांसद आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सांसद एवं उ.प्र. कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष तनुज पुनिया ने कही। श्री पुनिया ने बताया कि बाबा साहब के अपमान के विरोध में मंगलवार 24 दिसम्बर को कांग्रेस कार्यकर्ता गाका सारिरिख स्थित अम्बेडकर उद्यान से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकालेंगे।

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

सोमवार को सुबह समय करीब पांच बजे थाना बिहार पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा थाना बिहार क्षेत्रान्तर्गत पाटन धमनीखेड़ा मार्ग पर संधिध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग की जा रही थी चेकिंग के दौरान एक काले कलर की पल्सर बाइक को रोकने का प्रयास किया गया, जिसपर दो लोग सवार थे तभी उक्त दोनो बाइक सवार युवकों द्वारा पुलिस को फायरिंग कर दी गई, आत्मारक्षार्थ बाइक कार्यवाही में पुलिस द्वारा फायरिंग की गई जिसमे एक व्यक्ति

में थाना बिहार पर मु0अ0स0 298/24 धारा 309(4)बीएनएस बनाम पल्सर सवार दो अज्ञात व्यक्ति पंजीकृत किया गया था। जिसमें उन्नाव पुलिस द्वारा दोनो अभियुक्तों के ऊपर 25,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

मुउभेड स्थल से सूरज उपरोक के पास से एक पल्सर बाइक काले कलर की, 01 अवैध तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 02 खोखा कारतूस व लूट का सामान बरामद हुआ है। जिन्हें कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। फतेहपुर। नगर पंचायत के बीच रिहायशी इलाकों में बना पोल्ट्री फार्म लोगों के बीच मुसीबत बना हुआ है। हर तरफ फैल रही गंध से लोगों का रहना दुभार होता जा रहा है। जिसको लेकर मुर्गा पोल्ट्री फार्म को आबादी से बाहर किये जाने की मांग मोहल्ला वासियों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर कार्यावाही की मांग की है। ज्ञात हो कि नगर के मोहल्ला फैयाजपुरा में सतोषी माता मन्दिर के निकट एक पोल्ट्री मुर्गा फार्म नियामत उल्ला व रहमत उल्ला पुगुगण छोटकसे निवासी मोलवीगंज द्वारा संचालित किया जा रहा है। गाइडलाइन के अनुसार पोल्ट्री फार्म के लिए प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड एनओसी लेनी पडती है। पोल्ट्री फार्म 500 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए। प्रमुख वाटर संस्थान से 200 मीटर पानी पीने के स्थान से 1000 मीटर दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने वाले उद्योग से 500 व पब्लिक रोड से 200 मीटर दूर मृत मृगियों को खुले जलाने के बजाय बिल्ली की भट्टियों में डाला जाए। पोल्ट्री फार्म के आसपास ग्रीन बेल्ट का निर्माण भी होना चाहिए। लेकिन नगर वासियों का आरोप है यहां ऐसा कोई मानक नहीं है।

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी। फतेहपुर। नगर पंचायत के बीच रिहायशी इलाकों में बना पोल्ट्री फार्म लोगों के बीच मुसीबत बना हुआ है। हर तरफ फैल रही गंध से लोगों का रहना दुभार होता जा रहा है। जिसको लेकर मुर्गा पोल्ट्री फार्म को आबादी से बाहर किये जाने की मांग मोहल्ला वासियों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर कार्यावाही की मांग की है। ज्ञात हो कि नगर के मोहल्ला फैयाजपुरा में सतोषी माता मन्दिर के निकट एक पोल्ट्री मुर्गा फार्म नियामत उल्ला व रहमत उल्ला पुगुगण छोटकसे निवासी मोलवीगंज द्वारा संचालित किया जा रहा है। गाइडलाइन के अनुसार पोल्ट्री फार्म के लिए प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड एनओसी लेनी पडती है। पोल्ट्री फार्म 500 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए। प्रमुख वाटर संस्थान से 200 मीटर पानी पीने के स्थान से 1000 मीटर दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने वाले उद्योग से 500 व पब्लिक रोड से 200 मीटर दूर मृत मृगियों को खुले जलाने के बजाय बिल्ली की भट्टियों में डाला जाए। पोल्ट्री फार्म के आसपास ग्रीन बेल्ट का निर्माण भी होना चाहिए। लेकिन नगर वासियों का आरोप है यहां ऐसा कोई मानक नहीं है।

संसद हाथापाई मामले : हमारी ओर से नहीं हुई चूक, किसी भी सांसद को हथियार लाने की नहीं दी अनुमति : सीआईएसएफ

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को कहा कि पिछले हफ्ते संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सांसदों के बीच हुई झड़प में उसकी ओर से कोई चूक नहीं हुई। सीआईएसएफ संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है। सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक (अभियान) श्रीकांत किशोर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारी ओर से कोई चूक नहीं हुई। किसी भी सांसद को हथियार लाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि सीआईएसएफ इस



घटना के बारे में कोई जांच नहीं कर रहा है। संसद भवन में पिछले हफ्ते झड़प हुई थी, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजगुप्त घायल हो गए थे। यह झड़प विपक्षी

सीआईएसएफ ने चुप रहने का फैसला लिया
जब पत्रकारों ने सीआईएसएफ से पूछा कि सांसदों ने एक-दूसरे पर धक्का देने का आरोप लगाया है, तो श्रीकांत ने कहा कि सीआईएसएफ चुप रहने का फैसला लेता है जब सम्मानीय सदस्य आरोप लगाते हैं।
दिल्ली पुलिस दर्ज की प्राथमिकी
भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इस प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने झड़प के दौरान भड़काऊ बयान दिए।
सीआईएसएफ ने उठाए सभी जरूरी कदम
सीआईएसएफ ने स्पष्ट किया कि संसद भवन में सुरक्षा के सभी नियमों का पालन किया गया था और कोई भी सुरक्षा उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए थे।

सांसदों और सत्तारूढ़ पार्टी के के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर सांसदों के बीच हुई थी। इस घटना आरोप-प्रत्यारोप लगाए।

स्कूल-मोहल्ला क्लिनिक बढ़ावाल, यमुना प्रदूषण के आप ही जिम्मेदार : एलजी वीके सक्सेना



जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में विधानसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं वैसे-वैसे आम आदमी पार्टी की सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। एलजी ने दिल्ली में नरकीय नागरिक सुविधाओं को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधा। एलजी ने लिखा शुरू है कि 10 साल बाद ही सही, दिल्ली में व्याप्त

मुख्यमंत्री इलाके का दौरा कर एलजी का धन्यवाद कहती हैं। इसी कड़ी में अब उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। एलजी ने दिल्ली में नरकीय नागरिक सुविधाओं को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधा। एलजी ने लिखा शुरू है कि 10 साल बाद ही सही, दिल्ली में व्याप्त

बढ़ावाली और नरकीय नागरिक सुविधाओं के प्रति आपकी आंखें खुलीं। आपने 'एक्स' पर आज के पोस्टर में जिस हमारी टीम का चित्र किया है, यह वही अधिकारी/विभाग है, जो मेरे साथ 21.12.2024 को रामपुरी और कापसहेड के दौर पर गए थे और जिनसे मैंने समस्याओं के समाधान का अनुरोध किया था।

गाजियाबाद में कब्रिस्तान की चारदीवारी के अंदर मिला शिवलिंग



जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

संभल को खुदाई की घटना के बाद उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हिंदू धर्म संबंधित पुरातन अथवा चिन्ह मिलने की घटनाओं के बीच गाजियाबाद जिला भी अब शामिल हो गया है। जनपद परिक्षेत्र के मोदीनगर में कब्रिस्तान के पास शिवलिंग मिलने के बाद धार्मिक संस्थाओं और हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ गई। जिसके बाद

शिवलिंग की तरफ की बांझी जनता के दबाव में तोड़ दिया गया। हिंदू संगठनों ने अब शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए अलग रास्ते के निर्माण की मांग शुरू कर दिया है। जबकि पुलिस और प्रशासन किसी भी स्थिति से निबटने के लिए मुस्तैद रहा। ज्ञात हो कि मोदीनगर के आबिदपुर मानकी गांव के पास कब्रिस्तान में बने पीर में सैकड़ों साल पुराने शिवलिंग मिलने का दावा करते हुए हिंदू संगठनों ने किया है।

जिसके पूजा-अर्चना की मांग की है उनके द्वारा शुरू हो गई है। हिंदू संगठनों ने यहां मंदिर मनाने की मांग की है। मोदीनगर में आबिदपुर मानकी गांव के कब्रिस्तान की बांझी के पास शिवलिंग देखरेख के अभाव में गंदगी से पटा हुआ था। हिंदू युवा वाहिनी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई कर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया है। शिवलिंग तक पहुंचने के लिए अलग रास्ते की मांग की गई है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि शिवलिंग के पास ही दूसरे धर्म के लोगों ने मजार बनाकर शिवलिंग को चारदीवारी के भीतर कर दिया। लेकिन जैसे ही इस घटना की जानकारी हिंदू संगठनों को मिली, वे मौके पर पहुंचे और शिवलिंग की पूजा-अर्चना शुरू कर दिया। जनता के जमावड़े के बाद शिवलिंग की साफ सफाई कर जलाभिषेक की किया गया। संभल, जौनपुर के बाद अब गाजियाबाद भी मंदिर के मिटे चर्चित हो गया है।

हल्की बारिश से फिर बदला मौसम का मिज़ाज



जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

गाजियाबाद के कुछ इलाकों में हुई हुई छूट पुट बरसात ने मौसम बदल दिया है। पूरे दिन सूर्य भगवान के दर्शन को जनता तरस गई। जिसके कारण हीटर और अन्य संसाधनों का प्रयोग करके ठंड से राहत का प्रयास जारी रहा। जनपद और आसपास इलाके में प्रदूषण की मार से हाल बेहाल है। उसके बाद आज हुई हल्की बारिश ने ठंड के कहर को और भी बढ़ा दिया। बारिश की वजह से मौसम साफ होने की उम्मीद थी लेकिन बारिश की बूंदों की कमी से उसमें भी राहत नहीं मिल सकी, लेकिन ठंड और बढ़ गई। बदलते मौसम और हवाओं के तेज

जिलाधिकारी ने दिया निर्देश राहत के कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं
इधर बेमौसम बरसात और हवा के कारण कोई जनधन की हानि नहीं हो और सारी प्रशासनिक व्यवस्था दुरुस्त रहे इसको लेकर जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह द्वारा प्रशासनिक बैठक करके अधिनस्थों को निर्देश देते हुए रने बसेरों के भ्रमण और परीक्षण की बात कही। जिससे आम नागरिकों और निराश्रितों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।
झोंको से शीतलहर का अहसास लोगों को होने लगा।

आठ जनवरी को होगी 39-सदस्यीय संसदीय समिति की बैठक, एक देश-एक चुनाव के प्रस्ताव पर होगी चर्चा

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

एक देश-एक चुनाव पर 39-सदस्यीय संसदीय समिति की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। इस बैठक में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रस्ताव पर चर्चा करेगी। संसदीय सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह प्रारंभिक जानकारी देने वाली बैठक होगी। इस बैठक में अधिकारी को महत्वपूर्ण विधेयकों के बारे में जानकारी देंगे। ये विधेयक हैं- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र (कानून) संशोधन विधेयक। इन दोनों विधेयकों का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए जरूरी बदलाव करना है। यह कदम भाजपा द्वारा लंबे समय से किए जा रहे वादे का हिस्सा है।



पी.पी. चौधरी को बनाया गया समिति का अध्यक्ष
भाजपा सांसद पी.पी. चौधरी को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला, मनीष तिवारी और कई पहले कार्यकाल के सांसद जैसे प्रियंका गांधी, बांसुरी स्वराज और रविशत पात्रा भी इस समिति के सदस्य हैं। समिति में 27 सदस्य लोकसभा और 12 सदस्य राज्यसभा से हैं।

शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को इन्हें संसदीय समिति के पास भेजा गया था। इस समिति की सदस्य संख्या 31 से बढ़कर 39 की गई है, क्योंकि कई राजनीतिक दलों ने इसमें शामिल होने की इच्छा जताई थी।

अवैध रूप से असम पहुंचे 22 बांग्लादेशी नागरिक स्थानीय व्यक्ति घर में ली थी शरण, पुलिस ने किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

असम पुलिस ने अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में दो अलग-अलग अभियानों में 22 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में पांच बच्चे भी शामिल हैं।



लिया गया। सूत्रों के अनुसार, सभी संदिग्ध बांग्लादेशी एक स्थानीय व्यक्ति के घर में शरण लिए हुए थे। जांच के दौरान अधिकारियों ने इनके बांग्लादेशी नागरिक होने की पुष्टि की है।
पांच बच्चे भी शामिल
गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान जाकिर शेख, मोहम्मद महदी हसन, रमाना अख्तर, मोहम्मद रिजवान हवलदार, जमाल शेख, ब्यूटी बेगम, मुन्नी बेगम, नुशरत जहां,

रुस्तम शेख, रुबेल कुरैशी, चांद मिर्जा के रूप में हुई है। इसके अलावा पांच बच्चे भी हैं।
एक अन्य अभियान में छह बांग्लादेशी पकड़े गए थे
उन्होंने कहा कि पहले अभियान में असम पुलिस ने छह बांग्लादेशियों को भारत में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा था। जिसके बाद उन्हें बांग्लादेश के अधिकारियों को सौंप दिया गया था।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण की 122वीं जयंती मनाई गई

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती बड़े हर्ष और उल्लास के साथ पूरे जनपद में मनाई गई। राष्ट्रीय लोकदल और भाजपा समेत विपक्ष के नेताओं ने भी अपने अपने कार्यालय पर किसान नेता चौधरी चरण सिंह के प्रतिमा पर पुष्प माल चढ़ाकर उनके जयंती को मनाया। चौधरी चरण सिंह के जन्मोत्सव का प्रमुख कार्यक्रम राष्ट्रीय लोकदल के मेरठ तिराहे कार्यालय पर हुआ। जिला



और महानगर संगठन द्वारा इस

अवसर पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया था। संगोष्ठी, रक्तदान शिविर और हवन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया था। जिसमें गरीब और निराश्रित वर्ग को भोजन प्रसाद खिलाया गया। इस आयोजन में जिलाध्यक्ष अमित त्यागी, महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनवीर सिंह, इंद्रजीत सिंह टिटू, अजय वीर सिंह, प्रदेश महासचिव रविन्द्र चौहान समेत वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक साथ होगी कुकी-मैतई समुदाय के नए पुलिसकर्मियों की तैनाती : बीरेन सिंह

जन एक्सप्रेस। इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि जातीय हिंसा से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य में शांति वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत मैतई और कुकी समुदायों से संबंध रखने वाले नए पुलिस कैडेटों को एक -टीम- के रूप में एक साथ तैनात किया जाएगा। मणिपुर पुलिस के करीब 2,000 रंगरूट सोमवार को पुलिस अकादमी

से पास आउट हुए। असम और मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और सिंह मुख्य अतिथि के रूप में इस समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, समुदाय के आधार पर विभाजन मौजूदा स्थिति के कारण हुआ है। पहले ऐसा नहीं था और मैं भविष्य में ऐसा नहीं होने दूंगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नव प्रशिक्षित कर्मियों को सब कुछ एक साथ करना होगा, जैसे उन्होंने यहां

प्रशिक्षण लिया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, हमें राज्य में शांति लाने के लिए मिलकर काम करना होगा। हम टीम को नहीं तोड़ेंगे। हम पहले की तरह मणिपुर की एकता को बहाल करने की कोशिश करेंगे। आज पुलिस अकादमी से मणिपुर पुलिस के 1946 पासआउट रंगरूटों में उनकी जाति का वितरण विविधतापूर्ण है। जिसमें 62 प्रतिशत मैतई, 12 प्रतिशत कुकी और शेष 26 प्रतिशत नागा और अन्य जनजातियों से संबंधित हैं।

दिल्ली आकर सीएम साय ने निवेशकों को दिया न्योता, छत्तीसगढ़ को मिल गया 15184 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-30 की खूबियों को साझा करते हुए इसे निवेशकों के लिए बेहद अनुकूल बताया। कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख उद्योगपतियों से छत्तीसगढ़ सरकार को 15184 करोड़ के निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों को संवोधित करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ निवेश के लिए असीम संभावनाओं वाला राज्य है। हमारी नई औद्योगिक नीति उद्योगों को कर, भूमि, और बिजली में छूट के साथ-साथ सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं देती है। यह नीति न केवल उद्योगों की स्थापना, बल्कि रोजगार सृजन पर भी जोर देती



है। छत्तीसगढ़ में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, खनन, और निर्माण जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। नई औद्योगिक नीति में विशेष सस्मिडी और प्रोत्साहन पैकेज शामिल हैं। डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 से सभी स्वीकृति और लाइसेंस प्राप्त करना आसान हो गया है। उद्योग विभाग द्वारा सस्मिडी जारी करने के लिए अधिकतम 3 स्तर और अधिकतम 7 दिनों की समय सीमा सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री साय ने

कहा कि, उद्योग स्थापित करने हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए, न्यूनतम सरकार की अवधारणा के तहत निजी औद्योगिक पार्क को 30 प्रतिशत सस्मिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ, उद्योगों के लिए रेडी और विकसित प्लॉट आवेदन के 60 दिनों के भीतर सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने बताया हम यह सुनिश्चित कर रहे कि उद्योग स्थापना एवं संचालन में सरकारी हस्तक्षेप न्यूनतम हो एवं यथासंभव सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा

बस्तर क्षेत्र में निवेश पर विशेष प्रोत्साहन
मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोर सेक्टर की स्टील इकाइयों और अन्य उद्योगों को बड़ी राहत दी गई है। आयरन और पर 50ब और कोयले पर 100ब रॉयल्टी की छूट का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही, उद्योगों द्वारा कुआए पर रॉयल्टी और राज्य को मिलने वाले सेस की प्रतिपूर्ति 15 वर्षों तक की जाएगी। इसके अलावा, ग्राम नियानार में 118 एकड़ भूमि पर एक नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

आईआईएम के छात्र नियुक्त होंगे इन्वेस्टमेंट मैनेजर

मुख्यमंत्री ने बताया उद्योगपतियों को राज्य सरकार द्वारा विशेष सहायता दी जा रही है। इसके लिए आईआईएम रायपुर के साथ एमएओ (समझौता) करके वहां के पास आउट छात्रों को मुख्यमंत्री औद्योगिक इंटरशिप के तहत इन्वेस्टमेंट मैनेजर के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, जो घर बैठे प्रक्रियाओं को सुगम बनाएंगे।

आधुनिक तकनीकों में निवेश को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में कई नए और आधुनिक तकनीकों का ध्यान रखा गया है जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन और डेटा सेंटर। इसके अलावा, आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्र भी खास होंगे। इन क्षेत्रों में उद्योगों को 30 से 50 प्रतिशत तक सहायता मिलेगी। इसके अलावा, कंपनियों को अपना काम शुरू करने के लिए 5 से 12 साल तक करों में छूट दी जाएगी, जिससे वे आसानी से अपना काम शुरू कर सकें।

देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की जताई इच्छा
कार्यक्रम में पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के एमडी ईश्वर नंदन ने सीमीकंडक्टर क्षेत्र में 1134 करोड़ निवेश का प्रस्ताव रखा, जिससे 100 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। वहीं, टेलिफार्मर्स के सीओओ आशीष जौहरी ने 300 करोड़ का निवेश कर बैंक ऑफिस केंद्र स्थापित करने की योजना साझा की। माइक्रोमेक्स के राजेश अग्रवाल ने सीर सेल निर्माण में 100 करोड़ निवेश का प्रस्ताव दिया। वहीं, वरुण बेवरजेंज के सीईओ कामेश्वर जैन ने पेंसिल्वो बॉटलिंग प्लांट में 250 करोड़ निवेश की इच्छा जताई। टीडीब्ल्यूआई ग्रुप के पुरुषोत्तम और उत्तम सिंघल ने 1650 करोड़ के निवेश का सुझाव दिया, जिससे 1000 रोजगार अवसर सृजित होंगे। पैरामाउंट कम्युनिकेशन के प्रदीप गुप्ता ने 250 करोड़ निवेश और 1000 नौकरियों का वादा किया। रिन्यू पावर लिमिटेड के सुमंत सिन्हा ने पंप स्टोरेज और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में 11,500 करोड़ निवेश की योजना साझा की।

ऑनलाइन माध्यम से हो ताकि उद्योग हेतु आपको सरकार के पास आने की आवश्यकता ना हो। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने निवेशकों के सवालों का जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने राज्य में उपलब्ध बेहतर बुनियादी ढांचे, कुशल मानव संसाधन और शांतिपूर्ण माहौल के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उपस्थित उद्योगपतियों ने छत्तीसगढ़ की पहल की सराहना की और निवेश की

संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह इन्वेस्टमेंट मीट छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत और नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की इन्वेस्टमेंट कमिश्नर सुशील श्रुतु सैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इन अधिकारियों ने नई औद्योगिक नीति की खासियतों को समझाते हुए निवेशकों

को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने के लाभ बताए। उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने उद्योगपतियों से चर्चा करते हुए बताया कि खनिज संपद और खानों के लिए प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ अब तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विनिर्माण का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। राज्य अपने औद्योगिक आधार को विविधतापूर्ण बनाते हुए फार्मास्यूटिकल्स, ट्रेन शेल, टेलेविजन और प्रकाश उपकरणों जैसे विविध उत्पादों के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

